

## PAPER-III MARATHI

### Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

**J 3 8 1 6**

Time : 2 ½ hours]

[Maximum Marks : 150

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 75

### Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
  - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.  
**Example :** ① ② ● ④  
where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. Use only **Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There is no negative marks for incorrect answers.

OMR Sheet No. : \_\_\_\_\_

(To be filled by the Candidate)

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
  - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :  
**उदाहरण :** ① ② ● ④  
जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नानंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालाँकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।



**MARATHI****मराठी****Paper – III****प्रश्नपत्रिका – III**

**Note :** This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

**सूचना :** या प्रश्नपत्रिकेत विविध पर्याय असलेले **75 (पंचाहत्तर)** प्रश्न आहेत. प्रत्येक प्रश्नास **दोन (2)** गुण आहेत. **सर्व** प्रश्न अनिवार्य आहेत.

1. सूत्रपाठ, दृष्टांतपाठ आणि मूर्तिप्रकाश ही केशिराजबासांची मराठी रचना असून त्यांनी लक्षणरत्नाकर हा टीकाग्रंथ संस्कृत भाषेत लिहिला आहे.
 

(1) संपूर्ण विधान चूक	(2) संपूर्ण विधान बरोबर
(3) पूर्वार्ध चूक उत्तरार्ध बरोबर	(4) पूर्वार्ध बरोबर उत्तरार्ध चूक
  
2. विंध्याद्रिपासौनि दक्षिणादिसेसी । कृष्णा नदीपासौनी उत्तरेशी । झाडीमंडळापासौनी पश्चिमेसी । कुंकणापर्यंत महाराष्ट्र बोलिजे यातें ।।  
असा उल्लेख कोणत्या ग्रंथात आढळतो ?
 

(1) सह्याद्रिवर्णन	(2) रुद्रिपुरमाहात्म्य
(3) उद्धवगीता	(4) दृष्टांतपाठ
  
3. “स्याम मूर्तिः नाभिचुंबित खाडः उतरिए वस्त्रः गगनाची वास पातिः आपणेया आपण बोलत रांधवणाचा घरी तिही पदार्थासी खेळ करीत असतीः” हे ‘एकाक’ मधील वर्णन कोणाचे आहे ?
 

(1) चक्रधर स्वामी	(2) चांगदेव राऊळ
(3) गोविंद प्रभू	(4) दत्तात्रय प्रभू
  
4. चोखा माझा जीव । चोखा माझा भाव ।।  
कुळधर्म देव । चोखा माझा ।।
 

(1) संत जनाबाई	(2) संत नामदेव
(3) बंका महार	(4) नरहरी सोनार
  
5. “सुंदर माझे जाते गं, फिरे भवतें ।  
ओव्या गाऊ कौतुके तू ये रेबा विड्डला ।।”  
ही रचना कोणाची आहे ?
 

(1) संत नामदेव	(2) संत कान्होपात्रा
(3) बहिणाबाई चौधरी	(4) संत जनाबाई

6. “पोवाडा हे केवळ श्राव्य नव्हे; ते दृश्यकाव्यही आहे. पोवाडा हे एकप्रकारचे नाटक आहे. त्यात अनेक पात्रे असतात. मुख्य शाहीर व त्याचा साथीदार दोघे पोवाड्यातील व्यक्तींच्या सोंगाची बतावणी करतात” असे पोवाड्या संबंधीचे विवेचन कोणी केले आहे ?
- (1) य.न. केळकर (2) शाळिग्राम  
(3) श्री.व्यं. केतकर (4) वि.का. राजवाडे
7. ‘हंबीरराव व पुतळीबाई’ या इ.स. 1853 मध्ये प्रकाशित झालेल्या ऐतिहासिक कादंबरीचे लेखक कोण ?
- (1) शंकर मोरो रानडे (2) विष्णू जनार्दन पटवर्धन  
(3) रा.भि. गुंजीकर (4) लक्ष्मणशास्त्री हळबे
8. इंग्लिश ग्रंथाच्या आधारे तयार करण्यात आलेला ‘अनेकाविद्यामूलतत्त्वसंग्रह’ हा कृष्णशास्त्री चिपळूकरांचा ग्रंथ कधी प्रकाशित झाला ?
- (1) इ.स. १८५७ (2) इ.स. १८४५  
(3) इ.स. १८६१ (4) इ.स. १९१५
9. “माझ्या मामाची रंगीत गाडी हो ।  
तिला खिलारी बेलांची जोडी हो ।।”  
ही रचना कोणाची आहे ?
- (1) पठ्ठे बापूराव (2) ग.ह. पाटील  
(3) भा.रा. तांबे (4) गोविंदराज
10. पुढील ललितगद्यसंग्रह प्रकाशनाच्या कालक्रमानुसार लिहा.
- (1) मंतरलेले दिवस, मातीखालची माती, पहाटपाणी, चिवारीची फुले  
(2) चिवारीची फुले, पहाटपाणी, मातीखालची माती, मंतरलेले दिवस  
(3) पहाटपाणी, मातीखालची माती, मंतरलेले दिवस, चिवारीची फुले  
(4) मातीखालची माती, मंतरलेले दिवस, चिवारीची फुले, पहाटपाणी
11. दिवेआगर येथील ताम्रपट, भांदकचा शिलालेख, पळसदेवचा शिलालेख, पंढरपूरचा मंदिरस्थापनेविषयीचा शिलालेख हे कोरीव लेख काय सांगतात ?
- (1) यादव राजांच्या राजवटीचे अस्तित्व (2) देवनागरी अक्षरवाटिकेचे वळण  
(3) मराठीचे आरंभकालीन स्वरूप (4) मराठीचे महाराष्ट्री अपभ्रंशाशी असणारे नाते

12. कोणत्या भाषेत सुट्या ध्वनिघटकांना अर्थ नसतो तर ध्वनींच्या सानुक्रम रचनांना अर्थ असतो आणि हा अर्थ विशिष्ट संकेताने प्राप्त झालेला असतो ?
- (1) मानवी भाषेत (2) प्राण्यांच्या भाषेत  
(3) मूकबधिरांच्या भाषेत (4) संरक्षणयंत्रणेच्या संकेतप्रणालीत
13. यादृच्छिकता, द्विस्तरीय रचना, निर्मितशीलता, अदलाबदल, विशिष्टता, स्थलकालातीतता, सांस्कृतिक संक्रमण ही लक्षणे कशाची ?
- (1) प्रतिभेची (2) ध्वनिव्यवस्थेची  
(3) भाषेची (4) चिन्हचिन्हितसंबंधाची
14. हवेत निर्माण झालेल्या स्वनलहरींच्या अभ्यासाला काय म्हणतात ?
- (1) श्रवणकेंद्री स्वनविज्ञान (2) उच्चारणकेंद्री स्वनविज्ञान  
(3) भौतिक स्वनविज्ञान (4) स्वनिक प्रतिलेखन
15. शब्दांची भिन्न भिन्न स्वरूपे असूनही काही विशिष्ट मर्यादेपर्यंत त्यांचा कोणता अर्थ समान असेल तर आपण त्यांना समानार्थी शब्द म्हणतो ?
- (1) भावपर अर्थ (2) साहचर्यपर अर्थ  
(3) सांकल्पनिक अर्थ (4) शैलीगत अर्थ
16. 'तुझ्या ज्या साडीचा रंग गेला ती साडी मला दे' या वाक्यातील 'तुझ्या ज्या साडीचा रंग गेला' या गौण वाक्याचा प्रकार कोणता ?
- (1) न्यूनत्वबोधक वाक्य (2) विकल्पबोधक संयुक्त वाक्य  
(3) मिश्र वाक्य (4) विशेषण गौण वाक्य
17. 'काल फार ऊन होते तेव्हा आम्ही घरातच बसून राहिलो होतो'  
या वाक्यातील 'काल फार ऊन होते' या वाक्याचा प्रकार कोणता ?
- (1) परिणामबोधक संयुक्त वाक्य (2) क्रियाविशेषण गौण वाक्य  
(3) केवळ वाक्य (4) समुच्चयबोधक वाक्य
18. गडबड, सटरफटर, लटपट, लगबग या शब्दांचा प्रकार कोणता ?
- (1) अंशाभ्यस्त (2) पूर्णाभ्यस्त  
(3) अन्यपदप्रधान (4) सामासिक

19. काडतूस, कुपन, फिरंगी हे शब्द कोणत्या भाषेतून मराठीत आले आहेत ?

- |            |               |
|------------|---------------|
| (1) डच     | (2) पोर्तुगीज |
| (3) फ्रेंच | (4) अरबी      |

20. गवार, दस्ती, मजाल, शहद हे शब्द कोणत्या बोलीभाषेतील आहेत ?

- |             |             |
|-------------|-------------|
| (1) हळबी    | (2) वऱ्हाडी |
| (3) अहिराणी | (4) डांगी   |

21. “रीतिरात्मा काव्यस्य । विशिष्टा पदरचना रीतिः विशेषो गुणात्मा ।”

रीतीची ही व्याख्या कोणी केली ?

- |           |          |
|-----------|----------|
| (1) भामह  | (2) वामन |
| (3) दण्डी | (4) भरत  |

22. विश्वनाथाने वैदर्भी, गौडी, पांचाली, लाटी या चार रीती सांगितल्या असून भोजाने त्यामध्ये आवन्ती आणि मागधी अशा दोन रीतींची भर घातली आहे.

- |                                    |                                    |
|------------------------------------|------------------------------------|
| (1) संपूर्ण विधान चूक              | (2) संपूर्ण विधान बरोबर            |
| (3) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर | (4) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक |

23. करुणरसातसुद्धा अत्यंत सुख होते असे ठामपणे म्हणणारा केवलानंदवादाचा प्रमुख पुरस्कर्ता कोण ?

- |              |              |
|--------------|--------------|
| (1) विश्वनाथ | (2) जगन्नाथ  |
| (3) रामचंद्र | (4) गुणचंद्र |

24. “प्रगटुनि येथे मूर्तिमती तूं देशिल दर्शनलाभ जना, तोंवरि माते ! करीत राहिन एक लयाने तवभजना भजनांतहि मज बालवरींच्या सहजचि होतिल आठवणी, हृदय विदारुनि दावुं कुणाला सुखा सुखाच्या साठवणी ?”

चंद्रशेखरांच्या या ओळी कोणत्या काव्यगुणाच्या द्योतक आहेत ?

- |                 |              |
|-----------------|--------------|
| (1) उदारता      | (2) गांभीर्य |
| (3) सुश्लिष्टता | (4) समाधि    |

25. ग्रंथकार आणि ग्रंथ यांच्या जोड्या जुळवा :

- |               |                     |
|---------------|---------------------|
| I. क्षेमेंद्र | A. काव्यालंकार      |
| II. कुंतक     | B. काव्यानुशासन     |
| III. भामह     | C. साहित्यदर्पण     |
| IV. हेमचंद्र  | D. औचित्यविचारचर्चा |
|               | E. वक्रोक्तिजीवित   |

- |     | I | II | III | IV |
|-----|---|----|-----|----|
| (1) | B | A  | C   | E  |
| (2) | C | B  | E   | A  |
| (3) | A | C  | B   | D  |
| (4) | D | E  | A   | B  |

26. “उत्कृष्ट काव्याभोवती, आणि जे केवळ उत्कृष्ट नाही त्याभोवती, असंख्य व्यंजनांचे आवरण पसरलेले असते. कवी आपल्याला एका गोष्टीविषयी सांगतो, पण या एका गोष्टीत सर्वांचे गूढ दडलेले असते. हे लक्षात घेतले म्हणजे ध्वनीचे काव्यातील माहात्म्य लक्षात येते.” काव्यविषयक भाष्य करताना हे ध्वनिमाहात्म्य कोणी सांगितले ?

- |                   |                    |
|-------------------|--------------------|
| (1) ए.सी. ब्रॅडली | (2) आय.ए. रिचर्ड्स |
| (3) टी.एस. इलियट  | (4) रॉजर फ्राय     |

27. “सार्वत्रिक निकषाची आकांक्षा धरणारा व यथोचित शब्दातून व्यक्त होणारा साहित्यकृतीविषयीचा, तिच्या सौंदर्याविषयीचा रसिकाचा जो ज्ञानगर्भ व मूल्यगर्भ अभिप्राय त्याला साहित्यसमीक्षा म्हणता येईल.” साहित्यसमीक्षे-विषयीची ही भूमिका कोणाची ?

- |                    |                  |
|--------------------|------------------|
| (1) प्रभाकर पाध्ये | (2) माधव आचवल    |
| (3) गंगाधर गाडगीळ  | (4) गंगाधर पाटील |

28. मनोवैज्ञानिक समीक्षा विसाव्या शतकाच्या नवव्या दशकापर्यंत एक महत्त्वाची समीक्षा मानली जात होती. ती केव्हा मागे पडली ?

- (1) जागतिकीकरणाच्या उदयानंतर
- (2) संरचनावाद-उत्तरसंरचनावाद यांच्या उदयानंतर
- (3) वाचक प्रतिसादमुखी समीक्षाविचाराच्या आगमनानंतर
- (4) चिन्हमीमांसा आणि स्त्रीवाद यांच्या सहयोगानंतर

29. मराठी वाङ्मयाचे महान दोष हा लेख कोणत्या पुस्तकातील आहे ?
- (1) सौंदर्य आणि साहित्य (2) वाङ्मयीन महात्मता  
(3) कला आणि मानव (4) विचार-विहार
30. आस्वादक समीक्षेवर कोणी आक्षेप घेतले नाहीत ?
- (1) प्रभाकर पाध्ये (2) रा.भा. पाटणकर  
(3) मिलिंद मालशे (4) हरिश्चंद्र थोरात
31. वेगवेगळे साहित्यप्रकार का मानले जातात ?
- (1) साहित्यात आविष्कृत होणारे अनुभव अनुरूप अशा साहित्यरूपांत व्यक्त होतात.  
(2) कोणत्या साहित्यप्रकारात लेखन करावयाचे आहे हे लेखकाने आधीच निश्चित केलेले असते.  
(3) व्यावहारिक गरजेतून एका कलाकृतीचे रूपांतर दुसऱ्या साहित्यप्रकारातील कला कृतीमध्ये केले जाते.  
(4) साहित्यनिर्मितीमागे साक्षात्कारी अनुभव असतात, या प्रतिपादनाचा प्रतिवाद केला जातो.
32. विज्ञानकथेचे व्यवच्छेदक लक्षण कोणते ?
- (1) वैज्ञानिक शोधांचा मानवी जीवनावरील परिणाम  
(2) वैज्ञानिक पारिभाषिक भाषाविष्कार  
(3) प्रगत विज्ञानतंत्राचा मानवी नातेसंबंधांवर होणारा परिणाम  
(4) भविष्यकाळातील मानवी जीवनाविषयीची भाकिते
33. आत्मचरित्रलेखनाची बैठक कोणत्या प्राणभूत मूल्यावर उभी असते ?
- (1) सत्यकथन, ताटस्थ्य, प्रांजलपणा यांच्याद्वारे घडणारे व्यक्तिमत्त्वदर्शन.  
(2) स्वतःच्या आचरणाचे आत्मसमर्थन व मांडलेली कैफियत  
(3) स्वकालीन समाजाच्या व परिस्थितीच्या संदर्भातील भाष्य  
(4) जीवनानुभवामागे दडलेल्या सत्याचा उलगडा.
34. चरित्रलेखनाचे यश कशात असते ?
- (1) चरित्रनायकाच्या साधार, सप्रमाण वस्तुनिष्ठ जीवन चित्रणात.  
(2) नव्या पिढिला प्रेरणा देण्यात व बोध घडविण्यात.  
(3) चरित्रनायकाचा यथार्थ गौरव करण्यात.  
(4) समकालीन समाजजीवन व परिस्थिती यांच्या संदर्भात चरित्रनायकाच्या कर्तृत्वाचा अन्वयार्थ लावण्यात.

35. विठ्ठल संप्रदायाच्या मुळाशी असलेला लोकपरंपरेचा व लोकधर्माचा संबंध गोपजनांच्या संस्कृतीशी आहे, हे मत सर्व प्रथम कोणी मांडले ?
- (1) गुन्थर सोन्थायमर (2) वि.भि. कोलते  
(3) रा.चिं. ढेरे (4) शं.गो. तुळपुळे
36. नारायण-विधी-अत्रि-दत्तात्रेय-जनार्दन अशा गुरुपरंपरेच्या पार्श्वभूमीवर घराण्यात सूर्योपासना, कुलदेवता, एकवीरा, गुरुपरंपरा, दत्तसांप्रदायिक असे असूनही एकनाथांनी भागवत संप्रदायाला आपल्या भागवतरचनेने बळकट आधार दिला.
- (1) संपूर्ण विधान चूक (2) संपूर्ण विधान बरोबर  
(3) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर (4) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
37. पुढीलपैकी कोणती रचना समर्थ रामदासांची नव्हे ?
- (1) षड्-रिपुविवेचन (2) वाक्यवृत्तिटिका  
(3) अन्वयव्यतिरेक (4) आत्माराम
38. 'अनेकविद्यामूलतत्त्वसंग्रह' हा इंग्रजी शासकांच्या प्रेरणेने लिहिलेला व पुढील काही वर्षांतील ज्ञानक्षेत्रांशी संबंधित एकंदर प्रवृत्तींचे निदर्शक मानला गेलेला ग्रंथ कोणी लिहिला ?
- (1) कृ.म. चिपळूणकर (2) कृष्णशास्त्री चिपळूणकर  
(3) विष्णुशास्त्री चिपळूणकर (4) वामन आबाजी मोडक
39. साहित्याभिरुचीच्या संकल्पनेला सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भाबरोबरच साहित्य परंपरेचा संदर्भ असतो, त्यामुळे तिला मर्यादित प्रमाणात का होईना स्वायत्तता असते
- (1) संपूर्ण विधान चूक (2) संपूर्ण विधान बरोबर  
(3) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर (4) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
40. साहित्य आणि समाजजीवन यांची सांगड घालण्यासाठी मराठी संतांच्या कवितेचा समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणातून अन्वयार्थ मांडणारा सुप्रसिद्ध ग्रंथ कोणता ?
- (1) महाराष्ट्रीयांचे काव्यपरीक्षण (2) मराठीचे साहित्यशास्त्र  
(3) सारस्वत समीक्षा (4) साहित्य: निर्मिती आणि समीक्षा



41. साहित्यकृती आणि साहित्यकृतीचे वाङ्मयीन मूल्य यांतील परस्परसंबंध उलगडणाऱ्या 'साहित्यमूल्य आणि अभिरुची' या लेखसंग्रहाचे लेखक कोण आहेत ?

- |                    |                 |
|--------------------|-----------------|
| (1) गो.म. कुलकर्णी | (2) रा.ग. जाधव  |
| (3) रा.श्री. जोग   | (4) गो.मा. पवार |

42. जातिविशिष्ट सुखाविषयी आईबापांनी व भटांनी इतकी काळजी वाहण्याची गरज नाही. त्या सुखाचे बीज स्त्री-पुरुषांच्या प्रकृतीत विधात्याने फार काळजीपूर्वक पेरलेले आहे. या देशातील दूष्य व निंद्य वैवाहिक संस्थांमुळे आणि आचारामुळे मात्र त्याची प्रथम हवी तशी वाढ आणि पुढे पुष्ट फलनिष्पत्ती होत नाही. मुली व जावई यांचे अल्पवयात सुखसोहाळे पाहण्याची आम्हास जी दुष्ट अभिरुची किंवा खोड लागली आहे तीमुळे आम्ही आपल्या मुलांमुलींचे आणि त्याबरोबर साऱ्या राष्ट्राचे अतोनात नुकसान करीत आहोत, हे आमच्या लक्षात येऊ नये, ही मोठ्या दुःखाची गोष्ट आहे, ही खोड गेल्याशिवाय या देशात अनेक मोठ्या स्त्रिया किंवा मोठे पुरुष उत्पन्न होण्याचा संभव नाही.

– हे विचार कोणी व्यक्त केले ?

- |                          |                                   |
|--------------------------|-----------------------------------|
| (1) महात्मा जोतीराव फुले | (2) गोपाळ हरि देशमुख 'लोकहितवादी' |
| (3) गोपाळ गणेश आगरकर     | (4) वि.रा. शिंदे                  |

43. “अरे ! अरे !!” फुकट हे ब्राह्मणलोक गर्वाने जळतात ! मी तुम्हास पुसतो की, जेव्हा तुम्ही आपले जावयाचे मरणाची खबर ऐकता आणि कन्या तर लहान, तिचे आणि जावयाचे अजून दर्शन झाले नाही; असे असता त्या लहान अर्भक बाळकाविषयी तुम्ही आपले मनात निष्ठुरपणा का आणिते ? आणि आपले कन्यास तुमचे तुम्हीच खाटीक का होता बरे ?

- |                          |                                   |
|--------------------------|-----------------------------------|
| (1) महात्मा जोतीराव फुले | (2) गोपाळ गणेश आगरकर              |
| (3) वि.रा. शिंदे         | (4) गोपाळ हरि देशमुख 'लोकहितवादी' |

44. 'मातृदेवो भव' – मातेच्या ठायी देवाला पहा असे मनूजी सांगतात. पण स्त्री सर्व अवस्थेत, सर्व प्रसंगीही माताच असते..... आपण केवळ मातृदेवो भव असे न म्हणता स्त्रीदेवो भव असे म्हटले पाहिजे. ज्याने आपल्या पत्नीला तुच्छ मानिले, कन्येला हेळसांडले, सुनेला लाथाडले त्याने नुसत्या आपल्या मातेपुढे मात्र मान लवविली तर तो त्याचा मिथ्याचार समजावा. आपली बायको, बहीण, मुलगी, सून ह्या सर्वजणी कोणाच्या तरी आया असणार किंवा होणार व आपली आईही तशीच कोणाची तरी बायको आणि कोणाची तरी सून असणार. तर मग दुसऱ्या कोणाचा तरी देव तो आपला पायपोस आणि आपण धिःकारलेली वस्तू दुसऱ्या कोणाचे तरी पूजास्थान, कोण हा प्रकार ? पूज्यतेच्याबाबतीत हा उलटासुलटा न्याय अत्यंत दुःसह आहे

– हे विचार कोणी व्यक्त केले ?

- |                          |                          |
|--------------------------|--------------------------|
| (1) महात्मा जोतीराव फुले | (2) विनायक दामोदर सावरकर |
| (3) गोपाळ गणेश आगरकर     | (4) वि.रा. शिंदे         |

45. भाषाशुद्धीची चळवळ विशेषत्वाने कोणत्या काळात झाली ?
- (1) १८७४-१९२५ (2) १९२५-१९३५-४०  
(3) १९४१-१९६०-६१ (4) १९६१-१९८०-८१
46. 'कृष्णाकाट्या रामवंशी', 'मांगवाड्यातील सगाजीबुवा' आणि 'तारळखोऱ्यातील पिऱ्या' ह्या लेखनाद्वारे ग्रामीण व दलित कथा-लेखनाच्या चळवळीपूर्वीच पहिला मानदण्ड कोणी सिद्ध केला ?
- (1) र.वा. दिघे (2) ग.ल. ठोकळ  
(3) श्री.म. माटे (4) वामन चोरघडे
47. 'कवितारती' ह्या नियतकालिकाच्या कार्याची फलश्रुती कोणती ?
- (1) खडेयापाड्यातील नवोदित कवींना व्यासपीठ उपलब्ध करून देणे  
(2) काव्याभिरुची वाढविणे  
(3) काव्यविषयक चर्चेद्वारे विविध काव्यांगांचे दर्शन घडविणे  
(4) काव्यनिर्मितीस व काव्यसमीक्षालेखनास प्रोत्साहन देणे
48. विश्राम बेडेकर यांच्या 'रणांगण' कांदबरीचे मुख्य आशयसूत्र कोणते ?
- (1) चक्रधर आणि हॅर्टा यांची प्रेमकथा सांगणे.  
(2) बोटीतील जीवनाचे चित्रण करणे.  
(3) दुसऱ्या महायुद्धाचे दुष्परिणाम सांगणे.  
(4) अत्याचारामुळे दुरावलेल्या, स्थैर्याचीशाश्वती नसलेल्या मानवी जीवनाचे व्यापक दर्शन घडविणे.
49. बाबूराव बागुलांच्या लेखनाचे कोणते महत्त्वाचे वैशिष्ट्य 'सूड' मध्ये आढळते ?
- (1) उत्कट काव्यात्मक भाषाशैली. (2) लैंगिक जीवनाचे चित्रण.  
(3) वर्णव्यवस्थेचे चित्रण. (4) झोपडपट्टीतील माणसांचे जगणे.
50. 'बळी' कादंबरीतील अनुभवाचे केंद्र कोणते ?
- (1) क्रिमिनल ट्राइब्स सेटलमेंट वसाहतीतील अनुभव विश्व रेखाटणे.  
(2) दलितांच्या जीवनाचे सर्वांगीण चित्रण करणे.  
(3) इंग्रज अधिकाऱ्यांच्या अत्याचाराचे अनुभव मांडणे.  
(4) मांगगारूडी जमातीच्या चळवळीचे अपयश विशद करणे.

51. 'द मॉफॉलॉजी ऑफ फोकटेल' हा ग्रंथ कुणाचा आहे ?
- (1) ब्लाडीमिर प्राप (2) स्टीथ थॉमसन्  
(3) इ.बी. टायलर (4) अँन्ड्र्यु लँग
52. 'भ्रांतकल्पनावादी' संप्रदायाचा प्रवक्ता कोण ?
- (1) कॉक्स (2) कासिरेर  
(3) ह्यूमरस (4) व्हिस्के
53. "कथासरित्सागर 'मधून' 'वेताळपंचविशी' आणि 'सिंहासनबत्तिशी' हे दोन कथाप्रवाह निर्माण झाले आणि या दोनही कथासंग्रहाचा नायक विक्रमादित्य आहे"
- (1) संपूर्ण विधान चूक आहे. (2) संपूर्ण विधान बरोबर आहे.  
(3) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर. (4) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक.
54. वय सोळा कवळी काया ।  
हुडपणाची घुंगरू पाया ।  
लागे नाचाया, लागे नाचाया ।  
पोर झाली बावरी जेजूरी जाया ।  
हे गति कोणत्या विधिनाट्याशी निगडीत आहे ?
- (1) गोंधळ (2) वाध्यामुरळीचे जागरण  
(3) दशावतार (4) डहाका
55. योग्य जोड्या जुळवा.
- |                 |                  |
|-----------------|------------------|
| I. अहिल्येचीकथा | A. जैन परंपरा    |
| II. जातककथा     | B. सूतपरंपरा     |
| III. चूर्णीकथा  | C. बौद्धपरंपरा   |
| IV. व्रतकथा     | D. वीरशैव परंपरा |
|                 | E. वैदिक परंपरा  |
- |     |   |    |     |    |
|-----|---|----|-----|----|
|     | I | II | III | IV |
| (1) | D | C  | A   | B  |
| (2) | B | E  | C   | A  |
| (3) | E | D  | A   | C  |
| (4) | B | C  | A   | E  |

56. तौलनिक साहित्याभ्यास हा केवळ भाषांतरविद्येच्या कक्षेत येत नसून भारतीय व चिनी साहित्य, राष्ट्रीय साहित्य, भिन्न-भिन्न राष्ट्रीय साहित्यांची वैशिष्ट्ये ठरविणारे घटक, साहित्यात प्रकटणारे सामुदायिक मन यांसारख्या महत्त्वाच्या विषयांशी संबंधित आहे, ही भूमिका कोणाची ?
- (1) जे.डब्ल्यू. ग्यटे (2) हचेसन मॅकॉले पॉज्नेट  
(3) एस.एस. प्रॉवर (4) मैथ्यू आर्नॉल्ड
57. 'सवाई माधवरावाचा मृत्यू' व 'नटसम्राट' ह्या नाट्यरचना कोणत्या कारणांमुळे आकाराला आल्या ?
- (1) प्रभव (2) प्रभाव  
(3) अनुकरण (4) अनुसर्जन
58. राष्ट्रीय वाङ्मयाचे वैशिष्ट्य असे की गीता, भागवत, योगवासिष्ठ, शैवमत यांच्या आधारे वाङ्मय सर्व भारतीय साहित्यनिर्मितीत आढळते. ह्या आदानप्रदानात कोणती प्रक्रिया प्रकर्षाने आकार घेत असते ?
- (1) प्रभव (2) प्रभाव  
(3) अनुसरण (4) अभिसरण
59. दत्तात्रय अनन्त केसकरकृत 'संगीत ताराविलास' हे रूपान्तर कोणत्या नाटकाचे आहे ?
- (1) लव्हज लेबर्स लॉस्ट (2) द मेरी वाइव्ह ऑफ विण्डसर  
(3) रोमिओ अँड ज्यूलिएट (4) द ट्रेजेडी ऑफ किंग थर्ड
60. मानसशास्त्रीय, मानव्यविद्याधिष्ठित, वाङ्मयेतिहासाधिष्ठित आणि वाङ्मयीन ह्या चार प्रकारांच्या स्पष्टीकरणाद्वारे कोणत्या विषयाचे कोडे उलगडण्याचा प्रयत्न झाला ?
- (1) परधार्जिणेपणाचे कोडे (2) प्रभावशालितेचे कोडे  
(3) सहजसाधर्म्याचे कोडे (4) परंपरासाधर्म्याचे कोडे
61. साहित्याचे स्त्रीवादी वाचन मुख्यत्वे कशासाठी ?
- (1) स्त्रीपुरुषांमधील पारंपरिक सत्तासंबंधाचे स्वरूप उलगडून दाखवण्यासाठी  
(2) स्त्रियांच्या वाट्याला शतकानुशतके आलेल्या दुःखानुभवाचे आकलन करून घेण्यासाठी  
(3) स्त्रीपुरुषांतील लिंगभावभेदाधिष्ठित जीवनपद्धतीची सार्वत्रिकता स्पष्ट करण्यासाठी  
(4) स्त्रीच्या टिकाणी असणाऱ्या अंगभूत सामर्थ्याचा बोध घडवण्यासाठी

62. स्वतंत्र स्त्रीवादी काव्यशास्त्राची उभारणी करण्याची गरज का भासते ?
- (1) स्त्रियांच्या अनुभवांचा परिणामकारक उलगडा करता यावा म्हणून
  - (2) स्त्रीप्रतिमांचे अंतरंगदर्शन घडविता यावे यासाठी
  - (3) प्रस्थापित काव्यशास्त्रीय विचारप्रणालीने सर्जनशीलतेचे सर्वाधिकार पुरुषाला देऊन टाकल्यामुळे
  - (4) स्त्री गृहदेवता या प्रतिमेत बंदिस्त होऊन बसल्यामुळे
63. पुढील आत्मचरित्रे कालक्रमानुसार लिहा.
- (1) स्मृतिचित्रे, माझी कहाणी, आमच्या आयुष्यांतील काही आठवणी, या सदाशिव
  - (2) आमच्या आयुष्यांतील काही आठवणी, माझी कहाणी, स्मृतिचित्रे, या सदाशिव
  - (3) माझी कहाणी, या सदाशिव, आमच्या आयुष्यांतील काही आठवणी, स्मृतिचित्रे
  - (4) या सदाशिव, आमच्या आयुष्यांतील काही आठवणी, स्मृतिचित्रे, माझी कहाणी
64. पुढीलपैकी कोणता कवितासंग्रह शांता शेळके यांचा नाही ?
- (1) रूपसी
  - (2) वर्षा
  - (3) चंद्रफूल
  - (4) गोंदण
65. पुढीलपैकी कोणती कादंबरी गीता साने यांनी लिहिली आहे ?
- (1) काम आणि कामिनी
  - (2) तेजस्विनी
  - (3) वादळापूर्वी
  - (4) निखळलेली हिरकणी
66. “कृषिनिष्ठ संस्कृती, निसर्गसन्मुखता, यांतून निर्माण झालेले लोकमानस हे घटक ग्रामीण जीवनात महत्त्वाचे ठरतात, त्यातून जगण्याची एक रीत साकार होत जाते. या रीतीचे चित्रण ज्या साहित्यात आढळते, ते ग्रामीण साहित्य.” ही ग्रामीण साहित्याची व्याख्या कोणाची आहे ?
- (1) आनंद यादव
  - (2) द.ता. भोसले
  - (3) नागनाथ कोत्तापल्ले
  - (4) राजन गवस
67. कन्नड-मराठी सीमा प्रदेशातील टॅक्सी ड्रायव्हर, पिठाच्या गिरणीत भेटणारी माणसं, तंबाखू धंद्यातील स्त्रिया, आडते, दलाल यांचे चित्रण करणारी कथा लिहिणारा लेखक कोण ?
- (1) वैजनाथ कळसे
  - (2) महादेव मोरे
  - (3) बाबा पाटील
  - (4) रंगराव बापू पाटील

68. चिपळूणच्या परिसरातील एका खेड्याचे, तेथील खोती पद्धत संपल्याने दुखावलेले आणि तरीही मस्तीने वागणारे मुसलमान खोत, त्यांच्याविषयी बेपर्वा असणारे कुणबी आणि अहंकाराने वागणारे बौद्ध या तिन्ही समाजातील परस्परसंबंधाचे चित्रण कोणत्या कादंबरति आले आहे ?

- |                      |            |
|----------------------|------------|
| (1) अदेशी            | (2) पडधवली |
| (3) परशुरामाची सावली | (4) इंधन   |

69. “मला बी इस आन् आठ झाली, पन तुमी झाला अम्मलदार आनी आमी मातूरहायलो हे असं. जलमभराचं असं दल्लिंद्रीहाऊन आमी मसणवाटांला जायचं. ही असं मनात म्हणतो, देवा चांडाळा का रं असं ?” ही अस्सल ग्रामीण भाषा कोणत्या लेखकाची आहे ?

- |                     |                       |
|---------------------|-----------------------|
| (1) ग.दि. माडगूळकर  | (2) व्यंकटेश माडगूळकर |
| (3) शंकर खंडू पाटील | (4) भास्कर चंदनशिव    |

70. ग्रामीण कादंबरी आणि कादंबरीकार यांच्या जोड्या लावा.

- |                    |                        |
|--------------------|------------------------|
| I. गांधारी         | A. भीमराव वाघचौरे      |
| II. लीगाड          | B. ना.धों. महानोर      |
| III. दूर गेलेले घर | C. मोहन पाटील          |
| IV. रानखळगी        | D. लक्ष्मीकांत तांबोळी |
|                    | E. दि.बा. मोकशी        |

- |     |   |    |     |    |
|-----|---|----|-----|----|
|     | I | II | III | IV |
| (1) | B | C  | D   | A  |
| (2) | E | A  | C   | B  |
| (3) | E | D  | C   | A  |
| (4) | A | C  | E   | B  |

71. “दलितांच्या सामाजिक आणि सांस्कृतिक अभिव्यक्तीचे अधिष्ठान म्हणजे दलित साहित्य” अशी दलित साहित्याची व्याख्या कोणी केली ?

- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) बाळकृष्ण कवठेकर | (2) प्रभाकर मांडे   |
| (3) रा.ग. जाधव      | (4) गंगाधर पानतावणे |

72. “शब्दांनीच पेटतात घरे, दारे, देश आणि माणसेसुद्धा”

हया ओळी कोणत्या कवीच्या आहेत ?

- |                 |                   |
|-----------------|-------------------|
| (1) यशवंत मनोहर | (2) नामदेव ढसाळ   |
| (3) दया पवार    | (4) वामन निंबाळकर |

73. म्या नगरला कॉलेज शिकते, मून बाला गावाकडं जात लई नावं टिवायची. मनायची “बाप्यानं शिकायच्या नावाखाली पोर नगरला नेऊन घातली, आता त्याला कशाची कमी ? पोर कॉलेज करतीय का दुसरंच कॉलेज करतीय काय ठावं.” स्वकीयांच्या संशयी नजरेला तोंड देणारा हा उतारा कोणाच्या आत्मकथनातील आहे ?

- |                   |                   |
|-------------------|-------------------|
| (1) बेबी कांबळे   | (2) जनाबाई गिऱ्हे |
| (3) शांताबाई दाणी | (4) विमल मोरे     |

74. ‘स्मशानजोगी’ समाजाचे चित्रण करणारी ‘भस्म’ ही कादंबरी कोणाची आहे ?

- |                     |                  |
|---------------------|------------------|
| (1) बळवंत कांबळे    | (2) उत्तम कांबळे |
| (3) उत्तम बंडू तुपे | (4) भिमसेन देठे  |

75. चार-पाच हजार वर्षांचा रामायणकाळ ते डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांचा काळ इतका प्रदीर्घ कालावकाश सामावलेले म.भि. चिटणीस यांच्या नाटकाचे नाव काय ?

- |                         |               |
|-------------------------|---------------|
| (1) युगविधान            | (2) कालचक्र   |
| (3) समाजाचा विराट पुरुष | (4) युगयात्रा |

**Space For Rough Work**